PART-1

पुनर्जागरण काल के प्रमुख खोज यात्री- मार्को पोलो

भाग:-2

डॉ. राजेश कुमार सिंह, भूगोल विभाग

सर्व नारायण सिंह राम कुमार सिंह महाविद्यालय, सहरसा

पुनर्जागरण काल के प्रमुख खोज यात्री (Main Explorers of Renaissance Period)

उत्तर मध्यकाल या पुनर्जागरण काल में पश्चिमी यूरोपीय देशों के शासकों तथा जनता के प्रोत्साहन एवं सहायता से अनेक खोज यात्रियों (नाविकों) ने नये-नये महासागरीय मार्गों और महाद्वीपों, द्वीपों, देशों आदि का पता लगाया। इस युग के खोजयात्रियों में मा्कोपोलो, कोलंबस, वास्कोडीगामा, मैंगेलन, कुक, अमेरिगो वसपुक्की, जोन्स डीमांट, फ्रांसिस ड्रेक, हडसन आदि के नाम विशेष उल्लेखनीय हैं। कुछ प्रमुख खोजयात्रियों की यात्राओं का संक्षिप्त विवरण अग्रांकित है:-

1. मार्को पोलो (Marco Polo)

बादकशां से प्रस्थान करके मार्को पोलो पामीर पठार से उत्तर-पूर्व की ओर उतरते हुए काश्गर (सि क्यांग प्रांत) पहुँचे। वहाँ से ये लोग तकलामकान के दक्षिणी-पूर्वी मरुद्यानों से होते हुए कांसू (चीन)

और अंततः मंगोलिया की राजधानी पहुँचे और वहाँ के शासक कुबलाई खान को जेरुसलेम का पवित्र तेल और पोप का पत्र प्रदान किया। लगभग 17 वर्षों तक तीनों यात्री कुबलाई खान के राज्य में रहे। मार्को पोलो को कई बार साम्राज्य के दूरवर्ती प्रदेशों में तथ्यों का पता लगाने के लिए भेजा गया। इससे उसने पूर्वी एशिया से सम्बद्ध विस्तृत जानकारी प्राप्त की थी।

1292 के आस-पास एक मंगोल राजकुमारी को समुद्र मार्ग से फारस के सम्राट अरगुन खान के पास उनकी साम्राज्ञी बनने हेतु भेजना था। सम्राट कुबलाई की अनुमति से मार्को पोलो भी अपने पिता और चाचा सहित उस जहाजी बेड़े के साथ अपने गृहोन्मुख यात्रा पर चल पड़ा। वह जहाजी बेडा वियतनाम, अनेक द्वीपों तथा मलाया प्रायद्वीप होते हुए सुमात्रा द्वीप पर पहुँचा जहाँ विपरीत दक्षिणी-पश्चिमी मानसूनी हवाओं से बचने के लिए लगभग 5 महीने रुकना पड़ा था। वह जहाजी बेड़ा नीकोबार द्वीपों से होकर श्रीलंका, भारत के पश्चिमी तट और फारस के तट से होता हुआ अंततः होरमुज पहुँचा। वहाँ पहुँचने पर जब अरगुन खान के मृत्यु का समाचार मिला तो राजकुमारी को अरगुन खान के पुत्र महमूद गजनी को सौंपने के लिए खोरासन जाना पड़ा। वहाँ से मार्को पोलो यूरोप के लिए रवाना हुआ और कुस्तुनतुनिया होते हुए 1295 ई० में वेनिस वापस पहुँच गया। उस समय वेनिस और जिनोवा के बीच युद्ध चल रहा था। मार्को पोलो को एक समुद्री बेडे का कमांडर बनाकर भेजा गया जहाँ उसे बन्दी बनाकर जेल भेज दिया गया।

जेल में रहकर मार्को पोलो ने फ्रांसीसी भाषा में एक पुस्तक लिखवाया था जिसका नाम था 'विभिन्न साहसों की पुस्तक' (Book of Various Enterprises)। उसकी एक दूसरी पुस्तक दि मिलियन (The Million) का अंग्रेजी भाषा में अनुवाद 'मार्को पोलो की यात्राएं' (Travels of MarcoPolo) नाम से प्रकाशित हुआ।

marco polo travel map